मूल्यों की धारणा से ही सर्वांगीण समाज का विकास: फडणवीस

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री माननीय देवेन्द्र फडणवीस। सभा में उपस्थित हैं विश्व भर से हज़ारों ब्र.कु. भाई बहनें।

समाज के हर वर्ग में हो मूल्यों की पहल: दादी

शांतिवन। आज समाज में गिरते मूल्य आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए चिंता का विषय है। उक्त विचार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शांतिवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये।

- नवयुवक मुख्यमंत्री का ब्रह्माकुमारी संस्था में भव्य स्वागत
- आध्यात्मिक और गिरते नैतिक मूल्य समाज के लिए चिंता का विषय
- ब्रह्माकुमारी संस्थान का मूल्यों के प्रति प्रयास सराहनीय
- महिला सशक्तिकरण का अनुपम उदाहरण ब्रह्माकुमारीज़

उन्होंने कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए हर क्षेत्र में मूल्यों को आत्मसात करने की ज़रूरत है। ब्रह्माकुमारी संस्थान पूरे विश्व में जिस तरह मूल्यों के लिए प्रयास कर रहा है वह सराहनीय है। लोग केवल महिलाओं को आगे लाने की बात करते हैं परंतु केवल ब्रह्माकुमारी संस्था ही ऐसी संस्था है जिसके शीर्ष से लेकर नीचे तक महिलायें नेतृत्व कर रही हैं। इससे बड़ा महिला सशक्तिकरण और कुछ नहीं हो सकता। दादी से मिलने के बाद जो यहाँ ऊर्जा मिली वह कहीं नहीं मिली।

राजयोग ध्यान से सुखद शांति की अनुभूति – दादी

संस्था प्रमुख दादी जानकी ने कहा कि आज महिलाओं और परिवारों की सुरक्षा के पारिवारिक स्तर पर सभी को श्रेष्ठ और मूल्यनिष्ठ सामग्री उपलब्ध करायी जाये। राजयोग ध्यान ही एक ऐसा माध्यम है जिससे जीवन में सुखद एवं शांति की अनुभूति की जा सकती है। संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने राजनीति में भी राजयोग ध्यान को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

ज्ञानचर्चा के पश्चात् दादियों के साथ देवेन्द्र फडणवीस।

कार्यक्रम में संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. रमेश शाह, महाराष्ट्र ज़ोन की निदेशिका ब्र.कु. संतोष, घाटकोपर ज़ोन की प्रभारी ब्र.कु. नलिनी समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

फडणवीस तथा राजस्थान के ऊर्जा मंत्री पुष्पेन्द्र सिंह राणावत ने काफी देर तक दादी से मुलाकात की। फडणवीस जी का परंपरागत रूप से स्वागत शांतिवन में पहुँचने पर हुआ।

100 वर्ष की दादी जानकी: पॉज़ीटिव सोच से रोज़ाना करती हैं 18 घंटे काम

शांतिवन। जिले के आबूरोड शहर में स्थित ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय संस्था के मुख्यालय का परिसर शांतिवन जहाँ की चारदीवारी में घुसते तो हज़ारों लोगों की मौजूदगी के बावजूद एकदम शांति और अनुशासन का अनोखा वातावरण देखने को मिलता है। देश दुनिया के करोड़ों लोगों ने इसके बारे में सुन रखा है। लाखों लोगों ने यहाँ आकर शांति, अध्यात्म और राजयोग को जाना व समझा है। यह शायद देश व दुनिया की पहली संस्था होगी जहाँ पूरे साल हर समय कम से कम 3 से 5 हज़ार लोग मौजूद रहते ही हैं। विशेष अवसरों पर तो यह संख्या 25 से 30 हज़ार होती है। कभी-कभी इससे भी अधिक।

140 देशों में फैली इस संस्था और इन सभी लोगों के आने जाने से लेकर रहने, भोजन, अध्यात्म सीखने और जीवन बदलने का काम करती हैं दादी जानकी। 100 साल की दादी जानकी इस संस्था की मुख्य प्रशासिका हैं और इस उम्र में भी वे रोज़ाना 18 घंटे काम करती हैं। देश दुनिया के कई लोगों से मिलती हैं, यात्राओं पर जाती हैं। हाल ही में उन्हें केन्द्र सरकार ने स्वच्छता अभियान का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। यह सारे काम वे बखूबी पूरा कर रही हैं और इन सबके पीछे सबसे बड़ा कारण है सिर्फ पॉज़ीटिव सोच।

विश्व के 140 देशों में है संस्था का कार्य, दादी जानकी देखती हैं यह सारा काम, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनाया है स्वच्छ भारत अभियान का ब्रांड एंबेसडर

जानिए, पॉज़ीटिव सोच के साथ कैसे बदला जा सकता है जीवन

दिन में 18 घंटे काम

दादी जानकी सवेरे 3.30 बजे उठ जाती हैं। इसके बाद मेडिटेशन करती हैं। 4 बजे विश्व शांति के लिए सामूहिक राजयोग का अभ्यास करती हैं। सवेरे 5 बजे ईश्वरीय महावाक्य, मुरली का अध्ययन, 7 बजे प्रवचन कार्यक्रम में शामिल होती हैं। इसके बाद दोपहर 2 बजे तक वे विभिन्न कार्य पूरा करती हैं। दोपहर में कुछ देर आराम के बाद शाम को वापस वे अपना काम शुरु करती हैं। रात्रि 11 बजे उनका सोने का समय होता है।

देवेन्द्र फडणवीस के साथ ज्ञानचर्चा करते हुए दादी जानकी। साथ हैं ब्र.कु.निकुंज।

100 साल की पहली प्रशासिका

दादी जानकी विश्व में पहली ऐसी महिला हैं जो 100 वर्ष की उम्र में किसी संस्था की मुख्य प्रशासिका हैं और सक्रिय रूप से संस्था का संचालन कर रही हैं। वे 2007 में इस संस्था की प्रशासिका बनी थीं। इनका जन्म 1 जनवरी 1916 को हैदराबाद सिंध में हुआ था। 16 वर्ष की उम्र में वे इस संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्माबाबा के संपर्क में आईं। तब से आज तक इसी से जुड़ी हुई हैं और इसके सबसे बड़े पद पर आसीन हैं।

ऐसा है मुख्यालय

1. परिसर में एक साथ 25 से 30 हज़ार लोगों के रहने, खाने, पीने के इंतज़ाम हैं।
2. यहाँ स्थित डायमंड हॉल में एक साथ 20 हज़ार लोग बैठ सकते हैं और विश्व की 18 भाषाओं में भाषण या प्रवचन सुन सकते हैं।

दादी जानकी के दीर्घायु होने के 3 सिद्धान्त

पॉज़ीटिव सोच

दादी जानकी के जीवन में पॉज़ीटिव सोच ही सबसे महत्वपूर्ण है। उनका कहना है कि जीवन में शत प्रतिशत पॉज़ीटिव सोच ही होनी चाहिए। यह हमें हर बुराई और हर बीमारी से दूर रखती है।

सत्य बोलो

दादी जानकी बताती हैं कि उन्होंने जीवन में कभी झूठ नहीं बोला। इससे आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है साथ ही मन को शक्ति भी मिलती है और वह किसी काम से पीछे नहीं हटता।

ईश्वर से जुड़ो

ईश्वर से जुड़ाव हर समस्या को समाप्त कर देता है। किसी जाति, धर्म में भेदभाव किए बिना इंसान व इंसानियत को समझो और उससे प्यार करो। खुद को आत्मकेन्द्रित करो। इससे परम आनंद की प्राप्ति होगी।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 15th Feb 2016
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।